सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2024
द्वितीय प्रश्न–पत्र
पाठ्यक्रम–समाजशास्त्र

इकाई–I : समाजशास्त्र की अवधारणाएं

- समाजशास्त्र की प्रकृति : परिभाषा, समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य।
- मुख्य अवधारणाएं : समुदाय, संस्था, समिति, संस्कृति, मानदण्ड एवं मूल्य।
- सामाजिक संरचना : प्रस्थिति एवं भूमिका, विभिन्न भूमिकाएँ, भूमिका पुंज, प्रस्थिति पुंज, प्रस्थिति–क्रम, भूमिका–संघर्ष।
- सामाजिक समूह: अर्थ, प्रकार : प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह, औपचारिक एवं अनौपचारिक समूह, अन्तःसमूह एवं बाह्य समूह, सन्दर्भ समूह।
- सामाजिक संस्थाएँ: विवाह, परिवार, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था, धर्म, वर्ण, आश्रम, पुरूषार्थ, ऋण, यज्ञ, संस्कार।

इकाई– II :समाजीकरण

- समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण, प्रत्याशी समाजीकरण, प्रौढ़ समाजीकरण, समाजीकरण के अभिकरण, समाजीकरण के सिद्धान्त।
- सामाजिक स्तरीकरण : सामाजिक विभेदीकरण, उच्चोच्च क्रम एवं असमानता, स्तरीकरण के स्वरूप : जाति, वर्ग, लिंग, नृजाति, सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त, सामाजिक गतिशीलता।
- सामाजिक परिवर्तन : अवधारणाएँ एवं प्रकार : उद्विकास, प्रसार, प्रगति, क्रान्ति, रूपान्तरण, सामाजिक संरचना में परिवर्तन एवं सामाजिक संरचना का परिवर्तन, सिद्धान्त– रेखीय एवं चक्रीय।
- भारतीय समाज का अवधारणात्मक स्वरूप : भारत के लोग : समूह एवं समुदाय, विविधता में एकता, सांस्कृतिक विविधता : क्षेत्रीय, भाषाई, धार्मिक एवं जनजातीय।
- समकालीन मुद्दे : सामाजिक–सांस्कृतिक, निर्धनता, जाति एवं लिंग सम्बन्धी असमानता, क्षेत्रीय, नृवंशीय एवं धार्मिक विसमरसता, पारिवारिक विसमरसता : (क) घरेलू हिंसा (ख) दहेज (ग) तलाक (घ) अन्तर्पीढ़ी संघर्ष।

इकाई– III :समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

- संरचनात्मक सिद्धान्त : नेडाल, रेडक्लिफ ब्राउन।
- प्रकार्यात्मक सिद्धान्त : मेलीनोवस्की, दुर्खीम, पारसंस, मर्टन।
- अन्तर्क्रियावादी सिद्धान्त : सामाजिक क्रिया–मेक्स वेबर, पैरेटो, प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावादी सिद्धान्त : जी.एच.मीड, ब्लूमर।
- संघर्ष सिद्धान्त : कार्ल मार्क्स, डेरेन्डार्फ, कोजर।
- सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य :–

  भारतविद्या/वांग्मयी परिप्रेक्ष्य : जी.एस. घुरिये, लुईस ड्यूमाँ।
  संरचनात्मक–प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य : एम.एन. श्रीनिवास, एस.सी. दुबे।
  दलितवादी परिप्रेक्ष्य : बी.आर. अम्बेडकर।
  मूल्यों का समाजशास्त्र : राधाकमल मुखर्जी।

इकाई– IV : पद्धतिशास्त्र

- सामाजिक शोध का अर्थ एवं प्रकृति :–सामाजिक घटना की प्रकृति, वैज्ञानिक विधि, सामाजिक घटना के अध्ययन में समस्याएँ : वस्तुनिष्ठता एवं व्यक्तिनिष्ठता, तथ्य एवं मूल्य।
- गणनात्मक विधि : सर्वेक्षण, शोध प्रारूप एवं इसके प्रकार, उपकल्पना, निदर्शन, समंक संकलन की विधियाँ : अवलोकन, प्रश्नावली अनुसूची, साक्षात्कार।
- गुणात्मक विधियाँ : सहभागी अवलोकन, वैयक्तिक अध्ययन, अन्तर्वस्तु विश्लेषण, मौखिक इतिहास, जीवन इतिहास।
- सामाजिक शोध में सांख्यिकी : केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप: समान्तर माध्य, मध्यिका, बहुलक, विचलन के माप, सह सम्बन्ध विश्लेषण, सार्थकता का मापन।
- समाजमिती, सामाजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर की उपादेयता, नृजाति लेखन।

इकाई– V : प्रकार्यवाद

- नव–प्रकार्यवाद एवं नव–मार्क्सवाद– जे० अलक्जेन्डर, हेवरमास, अल्थुजर।
- संरचनाकरण तथा उत्तर–आधुनिकतावाद – गिडेन्स, देरिदा।
- समकालीन मुद्दे :– विकासीय जनसंख्या, क्षेत्रीय विषमता, मलिन बस्तियां, विस्थापन, सतत विकास के लक्ष्य, नीति आयोग : संरचना एवं कार्य।
- विचलन से संबंधित मुद्दे :– विचलन एवं इसके प्रकार, अपराध एवं विचलित व्यवहार, श्वेत वसन अपराध तथा भ्रष्टाचार, अपराध के बदलते परिदृश्य, मादक द्रव्य व्यसन, आत्महत्या।
- समसामयिक चर्चा :–भारत में परम्परा एवं आधुनिकता, राष्ट्र निर्माण की समस्याएँ : पंथ निरपेक्षता, बहुलतावाद एवं राष्ट्र निर्माण।

इकाई– VI : ग्रामीण समाजशास्त्र

- ग्रामीण समाज की अध्ययन पद्धतियाँ : ग्रामीण तथा नगरीय अन्तर, ग्रामीणवाद–नगरीयवाद, कृषक सम्बन्धी अध्ययन ।
- कृषि सम्बन्धी संस्थाएँ : भूमि स्वामित्व एवं इसके प्रकार, कृषक अन्तः सम्बन्ध एवं उत्पादन के तरीकों पर चर्चा, जजमानी व्यवस्था तथा जजमानी अन्तःसम्बन्ध, कृषि में वर्ग व्यवस्था ।
- पंचायती राज व्यवस्था : 73 वें संविधान संशोधन के पूर्व एवं पश्चात् पंचायती राज, ग्रामीण नेतृत्व एवं गुटबन्दी, लोक सशक्तिकरण ।
- सामाजिक मुद्दे एवं ग्रामीण विकास की रूपनीतियाँ : बँधुआ एवं प्रवासी मजदूर, दरिद्रीकरण एवं गैर किसानीकरण, कृषक असन्तोष एवं कृषक आन्दोलन ।
- ग्रामीण विकास और परिवर्तन : ग्रामीण समाज में परिवर्तन की दशाएँ, परिवर्तन की प्रक्रियाएँ: प्रव्रजन, ग्राम से नगर की ओर, ग्राम से ग्राम की ओर गतिशीलता–सामाजिक/आर्थिक ।

इकाई– VII : उद्योग एवं समाज

- समाजशास्त्रीय परम्परा में औद्योगिक समाज : श्रम–विभाजन, नौकरशाही, तार्किकता, उत्पादन सम्बन्ध, अतिरिक्त मूल्य, अलगाव ।
- उद्योग एवं समाज : समाज व्यवस्था के रूप में कारखाना, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन, उद्योग पर सामाजिक संरचना का प्रभाव, समाज पर उद्योग का प्रभाव ।
- औद्योगिक सम्बन्ध : श्रम के बदलते परिदृश्य, बदलते श्रम–प्रबंध सम्बन्ध, समझौता, पंचनिर्णय, मध्यस्थता, सामूहिक सौदेबाजी, श्रम–संघ, प्रबन्ध में श्रमिकों की भागीदारी (संयुक्त प्रबंध परिषद्), गुणवत्ता केन्द्र ।
- भारत में औद्योगीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन : परिवार, शिक्षा एवं स्तरीकरण पर औद्योगीकरण का प्रभाव, औद्योगिक समाज में वर्ग तथा वर्ग संघर्ष, औद्योगीकरण की बाधाएँ तथा सीमाएँ ।
- वैश्वीकरण की चुनौतियाँ : समाजशास्त्र का भारतीयकरण, शिक्षा का निजीकरण, भारत की विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीय नीति ।

इकाई– VIII : विकास का समाजशास्त्र

- विकास की अवधारणाएँ : आर्थिक वृद्धि, मानवीय विकास, सामाजिक विकास, संपोषक विकास ।
- अधो विकास के सिद्धान्त : उदारवादी – मैक्स वैबर, गुन्नार मिर्डल।
- विकास के मार्ग : आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण ।
- सामाजिक संरचना एवं विकास : सामाजिक संरचना एक सुविधा/बाधा, विकास एवं सामाजिक आर्थिक विषमताएँ ।
- संस्कृति एवं विकास : संस्कृति एक सुविधा/बाधा, उत्तर आधुनिकता, पश्चिमीकरण।

इकाई– IX : जनसंख्या एवं समाज

- जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त : माल्थसवादी, जनांकिकीय परिवर्तन।
- भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण : सन् 1901 से भारत में जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या वृद्धि के कारण एवं प्रभाव।
- अवधारणाएँ : उत्पादकता, मृत्युदर, रुग्णता तथा प्रव्रजन, आयु तथा लिंग संरचना तथा इसके परिणाम, उत्पादकता के निर्धारक, मृत्युदर के निर्धारक, शिशु, बाल एवं मातृ मृत्युदर, रुग्णता दर ।
- जनसंख्या एवं विकास : विकास के अवरोध व मानव संसाधन के रूप में जनसंख्या, जनसंख्या को प्रभावित करने वाले सामाजिक–सांस्कृतिक कारक ।
- जनसंख्या नियंत्रण : जनसंख्या नीति : समस्याएँ एवं परिप्रेक्ष्य, जनसंख्या शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण के उपाय ।

इकाई– X : मध्यप्रदेश का सामाजिक परिदृष्य

- मध्यप्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था : त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था, पंचायती राज में महिलाओं की भागीदारी एवं भूमिका, ग्रामीण नेतृत्व, सत्ता का विकेन्द्रीकरण।
- मध्यप्रदेश में जनजातीय समाज: जनजातियों का सामाजिक संगठन, मध्यप्रदेश की जनजातियों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम।
- मध्यप्रदेश की जनजातीय संस्कृति – नृत्य, कला, पर्व और त्यौहार।
- मध्यप्रदेश में स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका, स्वयं सहायता समूह, महिला सशक्तीकरण, मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की ग्यारंटी अधिनियम, 2010
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी, जनसंख्या वृद्धि, परिवार कल्याण कार्यक्रम, लिंग अनुपात, पोषण एवं स्वास्थ्य योजनाएँ।

***

Assistant Professor Exam-2024
Second Paper
Syllabus- Sociology

Unit-I : SOCIOLOGICAL CONCEPTS

- Nature of Sociology : Definition, Sociological Perspectives.
- Basic Concepts : Community, Institution , Association, Culture, Norms and Values.
- Social Structure : Status and role, Multiple roles, Role set, Status set, Status sequence, Role conflict.
- Social Group : Meaning, Types: Primary and Secondary, Formal and Informal, In-group and Out-group, Reference group.
- Social Institutions: Marriage, Family, Education, Economy, Polity, Religion, Varna, Aashrma, Purusharth, Rin, Yagya, Sanskar.

Unit-II : SOCIALIZATION

- Socialization, Re-socialization, Anticipatory socialization, Adult socialization , Agencies of socialization, Theories of socialization.
- Social Stratification : Social differentiation, Hierarchy and Inequality.
  Forms of stratification: Caste, Class, Gender, Ethnic, Theories of social stratification, Social mobility.
- Social change : Concepts and Types: Evolution, Diffusion, Progress, Revolution, Transformation, Change in Structure and Change of Structure. Theories: Linear and Cyclical.
- Conceptualizing Indian Society : People of India, Groups and Communities, Unity in diversity, Cultural diversity: Regional, linguistic, religious and tribal.
- Contemporary Issues: Socio-cultural, Poverty, Inequality of caste and gender, Regional, Ethnic and Religious disharmony, Family disharmony: (a) Domestic violence (b) Dowry (c) Divorce (d) Intergenerational conflict.

Unit-III : SOCIOLOGICAL THEORY

- Structural Theories : Nadel, Radcliffe Brown.
- Functional Theories : Malinowski, Durkheim, Parsons, Merton.
- Interactionist Theory : Social action- Max Weber, Pareto.
  Symbolic Interactionism: G.H, Mead, Blumer.
- Conflict Theory : Karl Marx, Dahrendorf, Coser.
- Theoretical Perspectives
  Indological/Textual Perspective: G.S. Ghurye, Louis Dumont.
  Structural-Functional Perspective: M.N. Srinivas, S.C. Dube.
  Subaltern Perspective: B.R. Ambedkar.
  Sociology of Values : Radha Kamal Mukherji.

Unit-IV : METHODOLOGY

- Meaning and Nature of Social Research
  Nature of social phenomena, The Scientific method, The problems in the study of social phenomena: Objectivity and subjectivity, fact and value.
- Quantitative Methods : Survey, Research Design and its types, Hypothesis, Sampling, Techniques of data collection: Observation, Questionnaire, Schedule, Interview.
- Qualitative Methods: Participant observation, Case study, Content Analysis , Oral history, Life history.
- Statistics in Social Research : Measures of Central Tendency: Mean, Median, Mode, Measures of dispersion, Co relational analysis, Test of significance.
- Sociometry, Application of Computer in Social Research, Ethnography.

Unit-V : FUNCTIONALISM

- Neo-functionalism and Neo-Marxism- J. Alexander, Havermass, Althusser.
- Structuration and Post-Modernism: Giddens, Derrida.
- Contemporary Issues: Developmental, Population, Regional disparity, Slums, Displacement, Aims of sustainable development, Niti Ayog - Structure and Functions.
- Issues Pertaining to Deviance:-Deviance and its forms, Crime and delinquency, white collar crime and corruption, Changing profile of crime, drug addiction, suicide.
- Current Debates : Tradition and Modernity in India, problems of Nation Building : Secularism, Pluralism and Nation building.

Unit-VI : RURAL SOCIOLOGY

- Approaches to the study of Rural Society: Rural-Urban differences Ruralism and Urbanism, Peasant studies.
- Agrarian Institutions: Land ownership and its types, Agrarian relations and Mode of Production debate, Jajmani system and Jajmani relations, Agrarian class structure.
- Panchayati Raj System: Panchayat before and after 73rd Amendment, Rural Leadership and Factionalism, Empowerment of people.
- Social Issues and Strategies for Rural Development: Bonded and Migrant laborers, Pauperization and De-peasantisation, Agrarian unrest and Peasant movements.
- Rural Development and Change:
  Trends of changes in rural society, Processes of change: Migration - Rural to Urban and Rural to Rural Mobility: Social/Economic.

Unit-VII : INDUSTRY AND SOCIETY

- Industrial Society in the Classical Sociological Tradition: Division of labour, Bureaucracy, Rationality, Production relations, Surplus value ,Alienation.
- Industry and Society : Factory as a social system, Formal and informal organization, Impact of social structure on industry, Impact of industry on society.
- Industrial Relations : Changing profile of labour, Changing Labour-Management relations, Conciliation, adjudication, arbitration, collective bargaining, Trade Unions, work Participation in management (Joint Management Councils), Quality Circles.
- Industrialization and Social Change in India:
  Impact of Industrialization on family, Education and stratification, Class and class conflict in industrial society, Obstacles and limitations of industrialization.
- The Challenges of Globalization: Indianisation of Sociology, Privatization of Education, Science and Technology Policy of India.

Unit-VIII : SOCIOLOGY OF DEVELOPMENT

- Conceptual Perspectives on Development: Economic growth, Human development, Social development, Sustainable development.
- Theories of Underdevelopment: Liberal- Max Weber, Gunner Myrdal
- Paths of Development: Modernization, Globalization.
- Social Structure and Development : Social structure as a facilitator/ Inhibitor, Development and socio-economic disparities.
- Culture and Development: Culture as aid / impediment, Post-Modernization, Westernization.

Unit-IX : POPULATION AND SOCITY

- Theories of Population Growth: Malthusian, Demographic transition.
- Population Growth and Distribution in India: Growth of Indian population since 1901, Causes and effects of population growth.
- Concepts : Fertility, Mortality, Morbidity and Migration, Age and Sex composition and its consequences, Determinants of fertility, Determinants of mortality, Infant, child and maternal mortality, morbidity rates.
- Population and Development: Population as a constraint and as a Human resources for development, Socio-cultural factors affecting population growth.
- Population Control: Population policy: Problems and perspectives, Population education, Measures taken for population control.

Unit-X : SOCIAL SENERIO OF MADHYA PRADESH

- Panchayati Raj system in Madhya Pradesh : Three tier Panchayati Raj system, Role and participation of women in Panchayati Raj, Rural Leadership, Decentralization of Authority.
- Tribal society in Madhya Pradesh: Social Organization of Tribes, Welfare Programme for Tribes of Madhya Pradesh.
- Tribal Culture of Madhya Pradesh- Dance, Art and Festivals.
- Role of NGO's in Madhya Pradesh, Self Help Groups (SHG's), Women Empowerment. Madhya Pradesh Public Service Guarantee Act, 2010.
- Demography of Madhya Pradesh, Population growth, Family Welfare Programmes, Sex ratio, Programmes of Nutrition and Health.

***